राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9798431468

प्रेस–विज्ञप्ति

स्व० ललित नारायण मिश्र ने मिथिला के विकास एवं सम्मान के लिए गंभीरतापूर्वक प्रयास किया : राज्यपाल

पटना, 05 अगस्त 2021

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान ने ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के 49वें स्थापना दिवस–सह–स्वर्ण जयंती वर्ष के शुभारम्भ समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना में स्वर्गीय ललित नारायण मिश्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह सुखद संयोग है कि विश्वविद्यालय की स्थापना के स्वर्ण जयंती वर्ष में ही उनके जन्मशती वर्ष की शुरूआत भी है।

राज्यपाल ने कहा कि ललित बाबू ने संपूर्ण राष्ट्र और विशेषकर मिथिला के विकास का विराट सपना देखा था। उन्होंने मिथिला में रेल का द्रुत विकास कर अभूतपूर्व गतिशीलता लायी, मिथिला चित्रकला को विश्वपटल पर प्रतिष्ठित किया तथा मैथिली के यथोचित सम्मान के लिए गंभीर प्रयास किया। उन्होंने कोशी नहर योजना को भी धरातल पर लाया था। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपनी आधी सदी के सफर में शिक्षा प्रणाली एवं संकायों के अन्तर्गत उल्लेखनीय मानक स्थापित करने में सफल रहा है। इसका क्षेत्राधिकार मधुबनी, दरभंगा, समस्तीपुर तथा बेगूसराय तक विस्तृत है तथा इसके नियंत्रणाधीन विश्वविद्यालय के 21 स्नातकोत्तर विभागों, 43 अंगीभूत एवं 34 सम्बद्ध महाविद्यालयों के साथ ही 2 डेंटल कॉलेज, 2 लॉ कॉलेज, 33 शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज एवं 7 रोजगारोन्मुख स्ववित्तपोषित संस्थान संचालित हो रहे हैं। विश्वविद्यालय ने कोरोना काल में ऑन–लाईन माध्यम से वर्गों के संचालन में एक मानक स्थापित किया है। केवल विश्वविद्यालय के मुख्यालय में 500 से अधिक इंटरेक्टिव क्लासेज का होना और इसके वेबसाईट पर लगभग चार हजार पाठ्य सामग्री का उपलब्ध होना प्रशंसनीय है।

वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के जरिये आयोजित इस कार्यक्रम को बिहार के शिक्षा मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी एवं ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू, विश्वविद्यालय की प्रतिकुलपति प्रो० डॉली सिन्हा, कुलसचिव प्रो० मुश्ताक अहमद, प्राचार्यगण, शिक्षकगण, छात्र–छात्राएँ एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

.....